



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

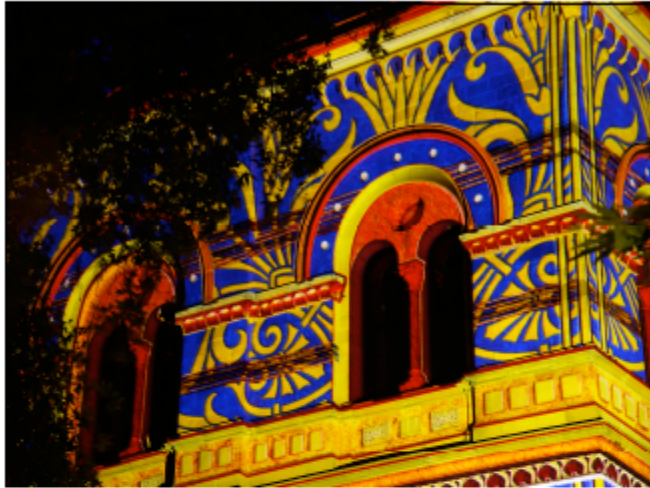
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



Seeing God's provision in all of life

---

---

---

---

---

---

---

---



"the whole earth is full of his glory"

---

---

---

---

---

---

---

---

## Isaiah 6: From woe to worship

- Ears to hear the 'woe' warnings
- Eyes to see the truth of God's wisdom & authority
- Profound respect for God's holiness & our hopeless state of rebellion – our 'woe!'
- Deep assurance grounded in God's love & mercy
- **Isaiah's call is Israel's call:**  
from woe to worship - and then on to mission

---

---

---

---

---

---

---

---

Isaiah's call patterns our call

as God's people in Christ  
- as a Diocese

to move – **In God's grace** –  
from *woe* to *worship*  
... and on to *mission*

"here we are, send us"

---

---

---

---

---

---

---

---